SYLLABUS

UNDER GRADUATE COURSE

(CHOICE BASED CREDIT SYSTEM)

SUBJECT: HINDI

BODOLAND UNIVERSITY

DEBARGAON, KOKRAJHAR (B.T.C.)

Bodoland University

CBCS Curriculum Structures for UG syllabus (BA Honours in Hindi),
No. of papers = 14+12-26, Total Credits 140, Total Marks = 2400

SEM-I						
Paper code	Course	Credit	Credit Distribution (L+T+P)	End Sem Mark	Int Marks	Total Marks
Hin-101H	C-1 हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	6	5+1+0	80	20	100
Hin-201H	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता	6	5+1+0	80	20	100
103H	कला और साहित्य	6	5+1+0	80	20	100
COMM-104HR	AEC AECC1: हिंदी भाषा और संप्रेषण English/Hindi/MIL(Communication)	2	2+0+0	50	-	50
Total-		20	17+3+0=20	290	60	350

SEM-II						
Paper code Corse	Course	Credit	Credit Distribution (L+T+P)	END SEM MARK	INT MARKS	TOTAL MARKS
Hin-201H	C-4 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	6	5+1+0	80	20	100
Hin-202H	C-4 आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	6	5+1+0	80	20	100
Hin-203H GE-2	पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य	6	5+1+0	80	20	100
ENV-204HR	AEC: AECC2Enviromental Science	2	2+0+0	50	-	50
Total-		20	17+3+0=20	290	60	350

SEM-III						
Paper code	Course	Credit	Credit Distribution (L+T+P)	End Sem Mark	Int Marks	Total Marks
Hin-301H	C-5 छायावादोत्तर हिंदी कविता	6	5+1+0	80	20	100
Hin-302H	C-6 भारतीय काव्य शास्त्र	6	5+1+0	80	20	100
Hin-303H	C-7 भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा	6	5+1+0	80	20	100
Hin--304HR	AEC:SEC1 हिन्दी भाषा शिक्षण	2	2+0+0	50	-	50
Hin-305H	GE-3 सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	6	5+1+0	80	20	100
Total-		26	22+4+0=26	370	80	450

SEM-IV						
Paper code Corse	Course	Credit	Credit Distribution (L+T+P)	End Sem Mark	Int Marks	Total Marks
Hin-401H	C-8 पाश्चात्य काव्य शास्त्र	6	5+1+0	80	20	100
Hin-402H	C-9 हिंदी उपन्यास	6	5+1+0	80	20	100
Hin-403H	C-10 हिंदी कहानी	6	5+1+0	80	20	100
ENV-204HR	AEC:SEC2- साहित्य और हिन्दी सिनेमा	2	2+0+0	50	-	50
	GE:-4 हिंदी की सांस्कृतिक पत्रकारिता	6	5+1+0	80	20	100
Total-		26	22+4+0=26	370	80	450

SEM-V						
Paper code	Course	Credit	Credit Distribution (L+T+P)	End Sem Mark	Int Marks	Total Marks
Hin501H	C-11 हिंदी नाटक एवं एकांकी	6	5+1+0	80	20	100
Hin502H	C-12 हिंदी निबंध एवं अन्य गद्दय विधाएं	6	5+1+0	80	20	100
Hin503H1	DSE लोक साहित्य	6	5+1+0	80	20	100
Hin504H	DSE2 छायावाद)	6	5+1+0	80	20	100
Total-		24	20+4+0=24	320	80	400

SEM-VI						
Paper code	Course	Credit	Credit Distribution (L+T+P)	End Sem Mark	Int Marks	Total Marks
Hin601H	C-13 हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता	6	5+1+0	80	20	100
Hin602H	C-14 प्रयोजनमूलक हिंदी	6	5+1+0	80	20	100
Hin603H	DSE 3 तुलसीदास	6	5+1+0	80	20	100
Hin604H	DSE-4 हिन्दी साहित्य से सम्बन्धी (Project/Dissertation)	6	5+1+0	80	20	100
Total-		24	20+4+0=24	320	80	400

BODOLAND UNIVERSITY
B.A. HINDI (HONOURS) SYLLABUS
CORE COURSE (CC)

FIRST SEMESTER
Paper- Hin-101 H/ C-1

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

Unit-1 आदिकाल- सामान्य परिचय, सीमांकन, नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, परिस्थितियाँ, सिदद साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक साहित्य।

Unit-2 भक्तिकाल- सामान्य परिचय, सीमांकन, नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, परिस्थितियाँ, संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य।

Unit-3 रीतिकाल- सामान्य परिचय, सीमांकन, नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, परिस्थितियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, एवं रीतिमुक्त काव्यधारा।

Unit-4 जीवनी एवं साहित्यिक परिचय- गोरखनाथ, भूषण, बोधा, ।

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल -

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास दिल्ली, नेशनल पाब्लिशिंग हाउस, नगेन्द्र. डॉ, सम्पादक -

3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहासदिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन, बच्चन सिंह डॉ-

4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना।

5. हिन्दी साहित्य की भूमिका नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, हजारी प्रसाद द्विवेदी -

Paper - Hin-102H/ C-2

आदिकलीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

Unit-1 विद्यापति- पद- 1 से 8, (विद्यापति की पदावली- असम हिन्दी प्रकाशन)

Unit-2 कबीर (पद)- 22, 23, 33, 34, 35, 41, 53, 56, 65, (कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी)

मलिक मुहम्मद जायसी- मानसरोदक खंड,

सूरदास - भ्रमरगीतसार (सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) पद- गोकुल सबै गोपाल उपासी, आयो घोष बड़ो व्योपारी, जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहैं, लरिकाई की प्रेम, हरि काहे के अन्तर्जामी ?, रहु रे मधुकर! मतवारे, प्रकृति जोई जोके अंग परी।

Unit-3 तुलसीदास- विनय पत्रिका (पद)- 101,102,103,104,105, उत्तरकांड- 1 से 7 तक (रामचरित मानस,)-गीता प्रेस, गोरकपुर मीराबाई - (पदावली)-पग घंघुरु बांध मीरा नाची रे, पतीया मैं कैशी लीखूँ लिख्योरी न जाय, पानी में मीन प्यासी मोहे सुन सुन आवत हाँसी, पायो जी म्हें तो राम रतन धन पायो, अब तो मेरा राम नाम दूसरा न कोई, कान्हा बनसरी बजाय लगी गिरधारी।

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. सांकृत्यानन, इलाहाबाद,ताब महलकि, हिन्दी काव्यधारा, राहुल, 2001.
2. पांडेयविश्, आदिकालीन हिन्दी साहित्य, शंभुनाथ, वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1998.
3. मिश्र, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन, भक्ति आन्दोलन और भक्तिकाव्य, शिवकुमार, 2010.
4. द्विवेदी, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, कबीर, हजारीप्रसाद, 2010.
5. अग्रवाल, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, अथक कहानी प्रेम की, परुषोतम, 2005.
6. श्रीवास्तव, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, दो खंडो में -विद्यापतिः अनुशीलन एवं मूल्यांकन, वीरेन्द्र.पटना 2008 .
7. सिंह, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन, विद्यापति, शिवप्रसाद, 1998.
8. सक्सेना, आगरा, विनोद पुस्तक मंदिर, हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वारिका प्रसा, 2003.
9. स्नातक, दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन, कबीर, विजयेन्द्र, 2003.
10. साही,इलाहाबाद,हिन्दुस्तानी एकेडमी, जायसी, विदयदेवनाराण, 1995
11. शुक्ल, दइलाहाबा,लोकभारती प्रकाशन, जायसी: एक नई दृष्टि, रामचन्द्र, 2001.

Unit-4 बिहारी- दोहा-

1. कोउ कोरिक संग्रही, कोउ लाख हजार,
2. खिन खन में खटकी सु हिय खरी भीर में जात
3. खौरि पनिच भृकुटी धनुष बधिक समर तजि कानि।
4. गहकि गाँस औरे गहे, रहे अधकहै बैन।
5. घग घर हिन्दुनि तरुकिनी देत असीस सराहि।
6. चलत-चलत लौ लैं चले, सब सुख संग लगाय
8. चिरजीवों जोरि जुरै, क्यौं न हो सनेह गम्भीर।
9. जिन दिन देखे वे कुसुम गई सु बीति बहार।

घनानन्द- 1. उर भौन में मौन कौ घूघट दै दुरि बैठी विराजत बात बनी।

2. तीछन ईछन बान बखान सो पैनी दसान लै सान चढ़त।

3. अति सुधो सनेह को मारग है जहँ नेकु सयानप बॉक नहीं।

4. झलकै अति सुन्दर आनन गौर, खके दृग राजत काननि छवै।।

5. कारी कूर कोकिला कहाँ को बैर काढति री।

6. पूरन प्रेम को मंत्र पहापन जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ ।

SECOND SEMESTER

PAPER- HIN 201-H/C-4

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल तक)

Unit-1 आधुनिक काल- राजनीतिक, सामाजिक, सास्कृतिक पृष्ठभूमि हिन्दी नवजागरण

Unit-2 भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद

Unit-3 प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता

Unit-4 हिन्दी गद्य का विकास, स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी गद्य, स्वातंत्र्योतर हिन्दी गद्य।

सन्दर्भ ग्रन्थ -

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास वाराणसी नागरी प्रचारणी सभा आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास दिल्ली नेशनल पाब्लिशिंग हाउस नगेन्द्र डॉ सम्पादक
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहासदिल्ली राधाकृष्ण प्रकाशन, बच्चन सिंह डॉ -
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन, नामवर सिंह -
5. हिन्दी साहित्य और सम्वेदना का विकास इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन,प चतुर्वेदीरामस्वरु
6. नई कविता और अस्तित्ववाद- रामविलास शर्मा, नई दिल्ली राजकमल प्रकाशन
7. हिन्दी गद्य साहित्य, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन रामचन्द्र तिवारी 2000
8. आधुनिक साहित्यराजकमल प् नंददुलारे वाजपेयी -रकाशन नई दिल्ली,
9. हिन्दी का उपन्यास साहित्य, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, गोपाल राय -
10. हिन्दी कहानी का इतिहास नई दिल्ली राजकमल प्रकाशन गोपाल राय -

PAPER- HIN 202-H/C-4

आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)

Unit-1 भारतेन्दु- कविता- मातृभाषा प्रेम पर होते, गंगा-वर्णन ।
अयोद्यासिंह उपाध्याय हरिऔध- कविता- प्रिय प्रवास (प्रथम सर्ग)

Unit-2 मैथिलीशरण गुप्त- कविता- साकेत नवम सर्ग,
रामनरेश त्रिपाठी कविता- वह देश कौन सा है, पुष्प विकास।

Unit-3 जयशंकर प्रसाद श्रद्धा सर्ग, इडा सर्व (कामायनी)
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- कविता- जुही की कली, वह तोड़ती पत्थर, सरोज स्मृति।

Unit-4 सुमित्रानन्दन पंत- मोह, नौका-विहार, पतझर।
महादेवी वर्मा- कविता- निशा को धो देता राकेश, वे मुस्काते फूल नहीं, जो तुम आ जाते एक बार,

THIRD SEMESTER

PAPER: HIN 301H/C-5

छायावादोत्तर हिन्दी कविता

Unit-1 केदारनाथ अगरवाल- आज नदी उदास थी, घन जन,
नागार्जुन- कविता- बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद,
रामधारी सिहं दिनकर- कविता- कुरुक्षेत्र (प्रथम और द्वितीय सर्ग)

Unit-2 माखन लाला चतुर्वेदी- कविता- पुष्प की अभिलाषा, पत्थर के फर्श, कगारों में,
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यान अज्ञेय- कविता- नदी के द्वीप, यह द्वीप अकेला,
मैने देखाः एक बूँद

Unit-3 भवानी प्रसाद मिश्र - कविता- सतपुड़ा के जंगल, भारतीय समाज, धरती का पहला प्रेमी।
रघुवीर सहाय- कविता- रामदास, भाषा की मृत्यु, विचित्र सभा,

Unit-4 सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- कविता- मुक्ति का आकांक्षा, देश कागज का बना नक्शा नहीं होता, फसल।
गिरिजाकुमार माथुर- दो पाटो की दुनिया ढाक बनी, जाल और नकाव के बीच।

PAPER: HIN 302H/C-6

भारतीय काव्य शास्त्र

Unit-1 काव्य लक्षण, काव्य हेतु, एवं काव्य प्रयोजन।

रस सिद्धान्त- रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण ।

Unit-2 ध्वनि सिद्धान्त- ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण ।

अलंकार सिद्धान्त- अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारो का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय

Unit-3 रीति सिद्धान्त- रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण,

वक्रोक्ति सिद्धान्त-वक्रोक्ति की आवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

Unit-4 औचित्य सिद्धान्त- औचित्य की अवधारणा

सन्दर्भ ग्रन्थ -

1. भारतीय काव्यशास्त्रवाराणसी, चौखंभा प्रकाशन, बलदेव उपाध्याय -
2. भारतीय काव्यशास्त्रविश्वविद्यालय प, भगीरथ मिश्र .डॉ - ्रकाशन, वाराणसी,
3. भारतीय काव्य चिन्तन, परटना, काशनअनुपम प्र, शोभाकान्त मिश्र
4. काव्यलोचन, दिल्ली, आर्य बुक डिपो, ओम प्रकाश शर्मा -
5. काव्य के रुपरेखा - बाबु गुलाबराय दिल्ली, आत्माराम एंड सन्स

PAPER: HIN 303HC-7

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

Unit-1 भाषा- परिभाषा, विशेषताएं, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।

भाषाविज्ञान - परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध ।

Unit-2 स्वनिम विज्ञान- परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण- स्थान और प्रत्यय के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।

रुपिम विज्ञान- शब्द और रुप (पद) पद विभाग- नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।

Unit-3 वाक्य विज्ञान- वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।

अर्थ विज्ञान- शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

Unit-4 अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज, तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रुप में हिन्दी ।
देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं सुधार का प्रयास।

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. तिवारी, इलाहाबाद, किताब महल, विज्ञान-भाषा, भोलानाथ, 2002.
2. शर्मा, पटना, अनुपम प्रकाशन, विज्ञान की भूमिका-भाषा, देवेंद्रनाथ, 1986,
3. पाठकसंजय बुक स, विज्ञानः हिन्दी भाषा और लिपि-भाषा,रघुवंशमणि, ेन्टर, वाराणसी, 2011.
4. सक्सेना, बाबुराम, समान्य भाषा विज्ञान, इलाहाबाद, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, 2005
5. द्विवेदी, वाराणसी, काशनविश्वविद्यालय प्र, भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव, 2009.
6. तिवारी, इलाहाबाद, भारती भंडार, भाषाशास्त्र की रुपरेखा, नारायण
7. शर्मा आधुनिक भाषाविज्ञान, रामकिशोर, के सिद्धान्त, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन, 2005.
8. अग्रवाल, दिल्ली, पचौरी प्रकाशन .एल .के, हिन्दी भाषा की संरचना, मुकेश, 2004.
9. वर्मा, इलाहाबाद, हिन्दुस्तानी अकादमी, हिन्दी भाषा का इतिहास, धीरेन्द्र,1990.
10. तिवारीलोक, हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास, उदयनारायण भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002.
11. तिवारी, इलाहाबाद, किताब महल, हिन्दी भाषा, भोलानाथ,2002.
12. तिवारी, दिल्ली, वाणी प्रकाशन, नाहिन्दी भाषा की संरच, भोलानाथ, 1998.
13. पाठक, वाराणसी, संजय बुक सेन्टर, हिन्दी भाषा एवं लिपि, भाषा विज्ञान, रघुवंशमणि, 2011.
14. बाहरी, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन, हिन्दी भाषाः उद्भव और विकास, हरदेव, 2000.
15. श्रीवास्तव, दिल्ली, काशनराधाकृष्ण प्र, हिन्दी भाषा की संरचना, रवींद्रनाथ, 1999.
16. सिंह, दिल्ली, साहित्य सहकार,हिन्दी भाषा संरचना और प्रकार्य, सूरजभान, 1996.
17. चौधरीऔर हिन, नागरी लिपि, अनंत,दी वर्तनी पटना, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी,
18. तिवारी, भोलानाथ, (सं(, हिन्दी भाषा का लिपि संरचना, दिल्ली, साहित्य सहकार, 1998.
19. भाटिया, दिल्ली, वाणी प्रकाशन, नागरी लिपि का उद्भव और विकास, ओमप्रकाश, 2000

PAPER: HIN 305H/ R/ GE-3

हिन्दी भाषा शिक्षण

Unit- 1 भाषा शिक्षण के सन्दर्भ - राष्ट्रीय, समाजिक, शैक्षिक और भाषिक।

भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ

-प्रथम भाषा/ मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना

-अन्य भाषा के अन्तर्गत द्वितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना

-मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के लिए भाषा-शिक्षण

Unit-2 भाषा शिक्षण की विधियाँ

-भाषा कौशल- श्रवण, भाषण वाचन, लेखन।

-भाषा का कौशव के रुप में शिक्षण, भाषा कौशलों के विकास की तकनीक और अभ्यास

अन्य भाषा- शिक्षण की प्रमुख विधियाँ, संरचनात्मक विधि, द्विभाषिक शिक्षण विधि।

Unit-3 हिन्दी शिक्षण

हिन्दी की मातृभाषा के रुप में शिक्षणः स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन संदर्भित शिक्षा।

द्वितीय भाषा के रुप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के सन्दर्भ में हिन्दी शिक्षण।

विदेशी भाषा के रुप में विदेशों में हिन्दी शिक्षण

Unit-4 भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

भाषा परीक्षण और मूल्यांकन की संकल्पना

भाषा परीक्षण के प्रकार

मूल्यांकन के प्रकार

PAPER: HIN- 304 HR / AEC: SEC -1

सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

Unit- 1 रिपोर्ताज- अर्थ, स्वरुप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रुप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि।

Unit-2 फीचर लेखन- विषय चयन, सामाग्री निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन। साक्षात्कार (इण्टरव्य/भेटवार्ता)- उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार प्रविधि, महत्व।

Unit-3 स्तंभ लेखन- समाचार पत्र के विविध स्तम्भ, स्तंभ लेखन विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामाग्री का लेखन सप्ताहान्त अतिरिक्त सामाग्री और परिशिष्ट दृश्य- सामाग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से सम्बन्धित लेखन ।

Unit-4 बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक, और कली समीक्षा।

आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।

सन्दर्भ ग्रंथ

1. पांडेय, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन, पत्रकारितः परिवेश और प्रवृत्तियाँ, पृथ्वीनाथ
2. तिवारी अर्जुन वारणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, आधुनिक पत्रकारिता,
3. राय, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन,य आन्दोलनगणेश शंकर विद्यार्थी और भारतीय राष्ट्री, विष्णुकुमार, दिल्ली
4. तिवारी अर्जुन, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन, हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास..
5. सेठी, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन, विज्ञापन डॉट कॉम,रेखा,.
6. चतुर्वेदी जगदीश्वर, दिल्ली, अनामिका प्रकाशन, हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका

1. वैदिक हिन्दी, वेदप्रताप, पत्रकारिता के विविध आयाम दिल्ली, नेशनल पाब्लिशिंग हाउस
7. गुप्त नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन, जनसंचार विविध आयाम, ब्रजमोहन,
8. मिश्र नई दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ, हिन्दी पत्रकारिता, कृष्ण बिहारी,

FORTH SEMESTER
PAPER: HIN 401H/C-8
पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Unit-1 प्लेटो- काव्य सम्बन्धी मान्यताए।

अरस्तू- अनुकृति एवं विरेचन।

लोंजाइनस- काव्य में उदात्त की अवधारणा।

Unit-2 वडर्सवर्थ- काव्य भाषा का सिद्धान्त।

कॉलरिज- कल्पना और फैन्टेसी ।

क्रोचे- अभिव्यंजनावाद

Unit-3 टी.एस एलियट- परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त।

आई. ए. रिचडर्स- मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त।

Unit-4 मार्क्सवादी समीक्षा

-स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।

- संरचनावाद।

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. जैन दिल्ली राधाकृष्ण प्रकाशन, पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, बाँठिया कुसुम, निर्मला,
2. नगेन्द्र (सं), पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास दिल्ली, नेशनल पाब्लिशिंग हाउस,
3. सहाय, पटना, ग्रंथ अकादमी बिहार हिन्दी, पाश्चात्य साहित्यलोचन कोश, राजवंश हीरा
4. मिश्रप, भगीरथ, ाश्चात्य काव्यशास्त्र वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
5. वार्षीय लखनऊ, हिन्दी समिति, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, लक्ष्मीसागर,
6. शर्मा. दिल्ली, नेशनल पाब्लिशिंग हाउस, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेन्द्रनाथ,
7. जुनेजा भारतीय एवं पाश्चात्य, वेदप्रकाश, सौन्दर्यशास्त्र हरियाणा, करनाल, सिद्धार्थ प्रकाशन,
8. नगेन्द्र दिल्ली, हिन्दी अनुसंधान परिषद्, अरस्तु का काव्यशास्त्र
9. जैन. दिल्ली, नेशनल पाब्लिशिंग हाउस, सिद्धान्त-प्लेटो का काव्य, निर्मला,
10. शर्मा, देवेन्द्रनाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नेशनल पाब्लिशिंग हाउस दिल्ली,

PAPER: HIN 402H/C-9

हिन्दी उपन्यास

Unit-1 हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास

Unit-2 त्यागपत्र- जैनेन्द्र कुमार

Unit-3 मृगनयनी- वृन्दावन लाल वर्मा

Unit-4 मानस का हंस- अमृतलाल नागर

सन्दर्भ ग्रन्थ -

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास दिल्ली, नेशनल पाब्लिशिंग हाउस, नगेन्द्र डॉ, सम्पादक -
2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहासदिल्ली राधाकृष्ण प्रकाशन, बच्चन सिंह डॉ -
3. हिन्दी साहित्य और सम्वेदना का विकास, दइलाहाबा, लोकभारती प्रकाशन, रामस्वरूप चतुर्वेदी -
4. हिन्दी गद्य साहित्य, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, रामचन्द्र तिवारी - 2000
5. प्रेमचन्द - रामविलास शर्मा नई दिल्ली राधाकृष्ण प्रकाशन,
6. आधुनिक साहित्य, नई दिल्ली राजकमल प्रकाशन, नंददुलारे वादपेयी
7. हिन्दी का उपन्यास साहित्य, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, गोपाल राय

PAPER: HIN 403 H-/C-10

हिन्दी कहानी

Unit-1 हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास

Unit-2 उसने कहा था- चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
पूस की रात- प्रेमचन्द
आकाशद्वीप- प्रसाद

Unit-3 पाजेब- जैनेन्द्र कुमार
तीसरी कसम- फणीश्वरनाथ रेणु
मिस पाल- मोहन राकेश

Unit-4 दोपहर का भोजन- अमरकांत
सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती
पिता- ज्ञानरंजन

सन्दर्भ ग्रंथ-

1. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया इलाहाबाद लोकभारती प्रकाशन आनन्द प्रकाश
2. नई कहानी की भूमिका कमलेश्वरणी प्रकाशनवा. दिल्ली.
3. हिन्दी कहानी: अंतरंग पहुँचानवाणी प्रकाशन रामचरण मित्र- दिल्ली
4. हिन्दी कहानी के आन्दोलन: उपलब्ध और सीमायें, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, रजनीश कुमार-दिल्ली
5. हिन्दी कहानी का इतिहास नई दिल्ली राजकमल प्रकाशन, गोपाल राय -

PAPER: HIN 404H/ AEC: SEC -2

साहित्य और हिन्दी सिनेमा

Unit- 1 सिनेमा और समाजः विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिकः कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।

\

Unit-2 सिनेमा का तकनीकी पक्षः फिल्म नर्माण की प्रक्रिया, सिनेमाः सृजन की सामुहिकता, सिनेमा का भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और सम्पादन, सेंसर बोर्ड का वितरण और व्यसाय, सिनेमाघर

Unit-3 हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहासः प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्य वर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्मे, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।

Unit-4 साहित्य और सिनेमाः अंतस्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रुपान्तरण और तकनीक।

फिल्म समीक्षा-

आरम्भ से 1947-	राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास।
1947 से 1970-	मदर इंडिया, दो आँखे बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर।
1970 से 1990-	गर्म हवा, बॉबी, शोले, आँधी।
1990 से अद्यतन-	तारे ज़मी पर, थ्री इडियट्स, दिलवाले दुलहनिया ले जाएँगे, मुन्ना भाई एम. बी.बी. एस, पान सिंह तोमर, मैरी कॉम।

सन्दर्भ ग्रंथ

1. अभेद आकाश- उदयन वाजपेयी प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, प्रकाशित वर्ष : 2014
2. फिल्मक्षेत्रे रंगक्षेत्रे - अमृतलाल नागर वाणी प्रकाशन, प्रकाशित वर्ष : 2014
3. कथा- पटकथा, मन्नु भंडारी, वाणी प्रकाशन, प्रकाशित वर्ष 2014
4. टेलीविजन समीक्षा सिद्धांत और व्यवहार सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, प्रकाशित वर्ष 2014
5. बाजार का जादुगर - प्रहलाद अंग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, 2007
6. हिन्दी फिल्मों का संक्षिप्त इतिहास दिलचस्प, सामयिक प्रकाशन, 2013
7. हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष-दिलचस्प, भारतीय पुस्तक परिषद्, 2009

PAPER: HIN 405H / GE-4

हिन्दी की सास्कृतिक पत्रकारिता

Unit- 1 सास्कृतिक पत्रकारिता- अवधारणा, अर्थ और महत्व। परम्परागत, आधुनिक और उत्तर आधुनिक समाज, संस्कृति,

लोकसंस्कृति, लोकप्रिय संस्कृति, अपसंस्कृति। बाजार संस्कृति और संचार माध्यम।

Unit-2 सास्कृतिक सम्वाद- अर्थ, भेद और विशेषताएँ। सास्कृतिक सम्वाद के क्षेत्र का परिचय- मंचकला, पर्यटन, पुरातत्व संग्रहालय आदि।

मंचकला और पत्रकारिता- रंगमंच, संगीत-गायन, वादन (ताल वाद्य, तंत्र वाद्य) और नृत्य के कार्यक्रम सम्वाद, लेखन और समीक्षा। चित्रकला (पेंटिंग, ग्राफिक, टेक्सटाल डिजाइन), शिल्पला, स्थापत्य कला के कार्यक्रम सम्वाद लेखन और समीक्षा।

Unit-3 पर्टयन पत्रकारिता प्रमुख धार्मिक स्थलों, स्मारकीय और प्राकृतिक सम्पदाओं का परिचयः सम्वाद लेखन और समीक्षा छायाचित्र (फोटोग्राफी) और चित्र

पत्रकारिताः जनसंचार माध्यम के रुप में छायाचित्र, छायाचित्र लेने के तरीके, उपकरण और प्रयोग की विधि।

चित्र पत्रकारिता- सिद्धान्त और व्यवहार, चित्र सम्पादन, सचित्र रुपक (फीचर), प्रदर्शनी।

Unit-4 चलचित्र (छायाछवि/फिल्म) पत्रकारिता- संचार माध्यम के रुप में फिल्म और विडियो, लघुफिल्म, वृत्तचित्र, धारावाहिक - परिचय और विकास, फिल्म पृष्ठ का आकल्पन और अभिविन्यास ।

सन्दर्भ ग्रंथ-

1. पांडेयश्वीनापू, थ,इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन, पत्रकारितः परिवेश और प्रवृत्तियाँ,
2. तिवारी अर्जुन वारणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, आधुनिक पत्रकारिता,
3. राय, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन, गणेश शंकर विद्यार्थी और भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन, विष्णुकुमार, दिल्ली
4. तिवारी अर्जुन पतहिन्दी,कारिता का वृहद इतिहास, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन.
5. सेठी, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन, विज्ञापन डॉट कॉम, रेखा.
6. चतुर्वेदी जगदीश्वर, दिल्ली, अनामिका प्रकाशन, हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका
2. वैदिक हिन्दी, वेदप्रताप, पत्रकारिता के विविध आयामपाब्लि नेशनल, शिंग हाउस, दिल्ली,
7. गुप्त नई दिल्ली राधाकृष्ण प्रकाशन, जनसंचार विविध आयाम, ब्रजमोहन,
8. मिश्र नई दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ, हिन्दी पत्रकारिता कृष्ण बिहारी,

FIFTH SEMESTER
PAPER: 501H/C-11
हिन्दी नाटक और एकांकी

Unit-1 हिन्दी नाटक साहित्य का उद्भव और विकास

Unit-2 नाटक

अन्धेर नगरी- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

आषाढ़ का एक दिन- मोहन राकेश

माधवी- भीष्म सहानी

Unit-3 हिन्दी एकांकी नाटक का उद्भव और विकास

Unit-4 एकांकी

स्ट्राइक- भुवनेस्वर

चारुमित्रा- राजकुमार वर्मा

और वह जा न सकी- विष्णु प्रभाकर

भोर का तारा- जगदीशचन्द्र माथुर

सन्दर्भ ग्रंथ-

1. जयशंकर प्रसाद दिल्ली नेशनल पाब्लिशिंग हाउस कल्याणमल लोहरा -सृष्टि और दृष्टि
2. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन- जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा
3. मोहन राकेश और उनके नाटक- डॉ गीरिश रस्तोगी, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन
4. हिन्दी नाटक, दिल्ली राधाकृष्ण प्रकाशन, डॉ बच्चन सिंह -
5. समकालीन हिन्दी नाटक, दिल्ली, सन्मार्ग प्रकाशन, नारायण राय
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास दिल्ली, ग हाउसनेशनल पाब्लिशिं, नगेन्द्र डॉ सम्पादक -

PAPER: 502H/C-12

हिन्दी निबन्ध एवं अन्य गध्य विधाएँ

Unit-1 हिन्दी निबन्ध साहित्य का उद्भव और विकास

Unit-2 सरदार पूर्ण सिंह- मजदूरी और प्रेम,

रामचन्द्र शुक्ल- करुणा,

हजारी प्रसाद द्विवेदी- देवदारु

Unit-3 विद्यानिवास मिश्र- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है।

शिवपूजन सहाय- महाकवि जयशंकर प्रसाद

रामवृक्ष बेणीपुरी- रजिया

Unit-4 माखन लाल चतुर्वेदी- तुम्हारी स्मृति

विष्णुकांत शास्त्री - ये है प्रोफेसर शशांक

सन्दर्भ ग्रंथ-

1. हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार डॉ जयनाथ ननिन -
2. हिन्दी के प्रतिनिध निबन्धकार लखनऊ, प्रकाशन केन्द्र, राजकिशोर सिंह
3. आधुनिक गदय की विधायें वाणी प्रकाशन उदयभानु सिंह -दिल्ली, 2000
4. हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार, दिल्ली, हिन्दी बुक सेन्टर, वारीरामचन्द्र ति 2007
5. निबन्ध और निबन्ध उमाकांत त्रिपाठी, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2000
6. हिन्दी गद्य साहित्य वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, रामचन्द्र तिवारी -2000

PAPER: 503H/ DSE-1

लोक साहित्य

Unit- 1- लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य वऔर लोक का अंतःसम्बन्ध लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

Unit-2- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण, लोकगीतः संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।

Unit-3- लोकनाट्य- रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि । हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।
लोककथा- व्रतकथा, परीकथा, नाग-कथा, कथारुढ़िया और अंधविश्वास।

Unit-4- लोकभाषाः लोक संभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
लोकनृत्य एवं लोकसंगीत

PAPER: 504H/ DSE-2

छायावाद

Unit- 1 जयशंकर प्रसाद-	आशा सर्ग (कामायनी), झरना ।
Unit-2 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला-	कुकुरमुत्ता, बादलराग, स्नेह निर्झर बह गया,
Unit-3 समित्रानंदन पंत-	प्रथम रश्मि, ग्रंथि, नौका विहार, परिवर्तन, मौन निमन्त्रण

Unit-4 महादेवी वर्मी- बीन भी हूँ, मैं बनी मधुमास आली, चिर सजग ओगे उनींदी, मंदिर का द्वीपा।

सन्दर्भ ग्रंथ-

1. मुक्तिबोध, गजानन माधव, कामायनीः एक पुनविचार. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिहं, रामलाल, कामायनी अनुशीलन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. शास्त्री, जानकीवल्लभ, महाप्राण निराला, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. रघुवंश, आधुनिक कवि निराला, हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली।
5. लाल, शारदा, सुमित्रानन्दन पंतः कवि और काव्य, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
6. मदान, इंद्रनाथ, महादेवी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. श्रीवास्तव, परमानंद, महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. सिंह, नामवर, छायावाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. सिहं, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. सिंह, उदयभानु, छायावाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

SIXTH SEMESTER
PAPER: 601H / C-13
हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता

Unit- 1 हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।

Unit-2 साहित्यिक पत्रकारिताः अर्थ, अवधारणा और महत्व
भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिताः परिचय और प्रवृत्तियाँ
द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिताः परिचय और प्रवृत्तियाँ।

Unit-3 प्रेमचन्द और छायावादीयुगीन साहित्यिकः परिचय और प्रवृत्तियाँ
स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिताः परिचय और प्रवृत्तियाँ
समकालीन साहित्यिक पत्रकारिताः परिचय और प्रवृत्तियाँ।

Unit-4 साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका रस्वत बती,
महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएः सरस्वती भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, आज, तथा जनसत्ता का सामान्य परिचय ।

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. पांडेय,इलाहाबाद,लोकभारती प्रकाशन, पत्रकारितः परिवेश और प्रवृत्तियाँ पृथ्वीनाथ,
2. तिवारी अर्जुन वारणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, आधुनिक पत्रकारिता,
3. राय, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन,य आन्दोलनगणेश शंकर विद्यार्थी और भारतीय राष्ट्री, विष्णुकुमार, दिल्ली
4. तिवारी अर्जुन, नई दिल्ली वाणी प्रकाशन, हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास..
5. सेठी, नई दिल्ली वाणी प्रकाशन, विज्ञापन डॉट कॉम रेखा..
6. चतुर्वेदी जगदीश्वर,ल्लीदि अनामिका प्रकाशन, हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका,
3. वैदिक हिन्दी वेदप्रताप, पत्रकारिता के विविध आयाम दिल्ली नेशनल पाब्लिशिंग हाउस,
7. गुप्त नई दिल्ली राधाकृष्ण प्रकाशन, जनसंचार विविध आयाम, ब्रजमोहन,
8. मिश्र नई दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ, हिन्दी पत्रकारिता कृष्ण बिहारी

PAPER: 602H/C-14

प्रयोजनमूलक हिन्दी

Unit- 1 मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रुप में हिन्दी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, बोलचाल की सामान्य हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी, सम्विधान में हिन्दी।

Unit-2 हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास हिन्दी का मानकीकरण हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र: भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता प्रकार और शौली

Unit-3 प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकारः कार्यलयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्ष्ण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।

Unit-4 भाषा व्यवहारः सरकारी पत्राचार टिप्पणी, तथा मसौदा-लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र लेखन।

हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिय एवं प्रस्तुति ।

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. वर्मा, धीरेन्द्र, इलाहाबाद, हिन्दुस्तानी अकादमी, हिन्दी भाषा का इतिहास, 1990,
2. तिवारी, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास उदयनारायण 2002.
3. तिवारी, इलाहाबाद, किताब महल हिन्दी भाषा भोलानाथ 2002
4. तिवारीवा रचनाहिन्दी भाषा की संभोलानाथणी प्रकाशन, दिल्ली, 1998.

5. भारत और विश्वपटल पर हिन्दी केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, सुशीला गुप्ता -2011.
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी विनोद गोदरी नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन
7. प्रयोजनिक हिन्दी बलेन्दु शेखर तिवारी, पटना, अनुपम प्रकाशन,
8. रादभाषा हिन्दी डॉलानाथ तिवभो गरी दिल्ली प्रभात प्रकाशन,
9. प्रमाणिक आलेखन और टिप्पण- डॉ.असम, असम हिन्दी प्रकाशन, अमुल्य वर्मन
10. प्रयोजनमूलक हिन्दी, आगरा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, रवीन्द्र श्रीवास्तव
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी दिल्ली हिन्दी बुक सेन्टर, विजयपाल सिंह -
12. प्रयोजनमूलक हिन्दी- रमेश तरुण दिल्ली, साहित्य मंदिर,
13. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी दिल्ली, जगतराम एंड संस, ओम प्रकाश सिंघल -
14. प्रशासनिक हिन्दी दिल्ली, पांडुलिपि प्रकाशन, पुरचन्द टंडन

PAPER: 603H / DSE-3

तुलसीदास

Unit- 1 रामचरित मानस- अयोध्याकाण्ड (दोहा संख्या 67 से 161 तक) गीता प्रेस, गोरखपुर

Unit-2 कवितावली- उत्तर काण्ड 20 छंद (29, 35, 37,44,60,73, 74, 89, 102, 108, 119, 126, 132,134, 136, 140, 141, 146, 161, 182). गीता प्रेस, गोरखपुर

Unit-3 गीतावली- 15 पद संख्या- 7,8,9, 10,18, 24, 31, 36, 44, 73, 97, 101, 104,106, 110) गीता प्रेस, गोरखपुर

Unit-4 गीतावली- विनय पत्रिका (20 पद, पद संख्या-1,5, 30, 36, 45,72, 79, 85, 90, 94, 100, 111, 115, 121, 160, 165, 167, 182, 201, (272) गीता प्रेस, गोरखपुर

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. शुक्ल, रामचन्द्र- सूरदास वाराणसी नागरी प्रचारणी सभा 2005
2. द्विवेदी हजारी प्रसाद दिल्ली राजकमल प्रकाशन साहित्य-सूर, 2003

1. महादेवी वर्मा, भगवतीचरण वर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान, चन्द्रधर शर्मा भुलेरी, हरिवंशराय बच्चन, मुंशी प्रेमचंद, रामधारी सिंह दिनकर, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, अज्ञेय, जेनेन्द्र कुमार, यशपाल, लक्ष्मी नारायण मिश्र, धर्मवीर भारती, नागार्जुन मुक्तिबोध, फणीश्वरनाथ रेणु, मोहन राकेश, सुदामा पांडेय धूमिल,
2. पांडेय, दिल्ली, वाणी प्रकाशन, भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य मैनेदरे 2004
3. तिवारी, दिल्ली, राजपाल एंड सन्स, सूरदास वृबलराम, 1998
4. शुक्ल, वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा, गोस्वामी तुलसीदास रामचन्द्र 2004
5. त्रिपाठी, काशनराजकलम प्र लोकवादी तुलसी विश्वनाथ दिल्ली 2005.
6. सिंह उदयभानु, दिल्ली राधाकृष्ण प्रकाशन तुलसी काव्य मीमांसा, 1975,
7. वाराणसी नागरी प्रचारणी सभा, त्रिवेणी रामचन्द्र, 2005,

PAPER: 604H / DSE-4

हिन्दी परियोजना कार्य / HINDI PROJECT WORK

Full Marks – 100

Dissertation - 80

Viva - 20

A student will have to undertake a small academic project on literature survey on life and literary works of a Hindi Literary Genius (Hindi Sahityik Vibhuti) under a GUIDE. THE topic of project work (From the list given below) and the guide/supervisor will be allotted to the student at the beginning of the SEMESTER by the concerned department of the college. The student will have to submit the project work of about 50 typed pages prepared IN the format of an M.Phil dissertation (in spiral binding form) one Week ahead of the commencement of the end semester examination. The student will have to defend the work before our external examiner and internal board comprising of 3 teachers including the guide/supervisor. The External Examiner (appointed by BU) will evaluate out of 60 marks and the internal board will evaluate out of 40 marks. The capability of critical appreciation on the part of student will be taken into account among other things while the evaluating the project work.

हिन्दी साहित्यकार:- चंदबरदाई, विद्यापति कबीरदास, सूरदास, मलिक - मुहम्मद जायसी, रसधान, मीराबाई, गोस्वामी तुलसीदास, रहीम, केशवदास, बिहारीलाल, देव, भूषण, घनानंद, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हरियौंध, मैथिली- शरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन -पंत

BODOLAND UNIVERSITY
B.A. (HONOURS) HINDI

FIRST SEMESTER
GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)
PAPER: 103/GE-1

कला और साहित्य

Unit- 1 कला और साहित्य का अंतस्संबंध

कला और समाज का अंतस्संबंध

कला में दीर्घ जीविता के तत्व और उपकरण

Unit-2 भारतीय कला का विकास

भारतीय का सौन्दर्यशास्त्रीय महत्व

Unit-3 कला और हिन्दी साहित्य के सम्बन्ध की परम्परा

लोक-कला और साहित्य

Unit-4 साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व

भारतीय नाट्य कला

PAPER: COMM-104 HR/ AEC: AECC-1
ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)
हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

UNIT-1 भाषा की परिभाषा प्रकृति एवं विविध रुप,

हिन्दी भाषा की विशेषताएँ - क्रियावि, सर्वनाम, विभक्ति, शेषण एवं अव्यय सम्बन्धी,

UNIT- 2 हिन्दी की वर्ण स्वर एंव व्यंजन। व्यवस्था

दीर्घ तथा संयुक्त । ह्रस्व स्वर के प्रकार

-

UNIT-3 व्यंजन के प्रकार स्पर्श घोस तथा अघोष महाप्राण अल्पप्राण ऊष्म, अन्तस्थ ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य दन्त्य मुर्द्धन्य तालव्य वर्णों के उच्चारण स्थानः कण्ठ्य अनुतान तथा संधि, संगम, बालाघात

UNIT-4 भाषा सम्प्रेषण के चरणवाचन तथा अभिव्यक्ति श्रवण लेखन।

हिन्दी वाक्य रचना वाक्य का रूपान्तर, वाक्य के भेद, वाक्य और उपवाक्य, भावार्थ और व्याख्या विविध प्रकार के पत्र लेखन आशय लेखन,

SECOND SEMESTER

PAPER: HIN- 203 / GE-2

पाश्चात्य दार्शनिक चिन्तन एवं हिन्दी साहित्य

Unit- 1 पाश्चात्य दार्शनिक चिन्तन का इतिहास का संक्षिप्त परिचय

अभिव्यंजनावाद

स्वच्छदतावाद

Unit-2 अस्तित्ववाद

मनोविश्लेशणवाद

मार्क्सवाद

Unit-3 आधुनिकता वाद

संरचवाद

Unit-4 कल्पना, बिम्ब, फैटेसी

मिथक एवं प्रतीक

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. जैन, दिल्ली, काशनराधाकृष्ण प्र पाश्चात्य साहित्य चिन्तन बाँठिया कुसुम, निर्मला
2. नगेन्द्र (सं). पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास दिल्ली नेशनल पब्लिशिंग हाउस,
3. सहाय पटना, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी पाश्चात्य साहित्यलोचन कोश राजवंश हीरा
4. मिश्र वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन पाश्चात्य काव्यशास्त्र, भगीरथ,
5. जुनेजा भारतीय एवं पाश्चात्य वेदप्रकाश सौन्दर्यशास्त्रहरियाणा, करनाल, सिद्धार्थ प्रकाशन
6. उपाध्यायवाराणसी चौखंभा प्रकाशन बलदेव भारतीय काव्यशास्त्र,
7. मिश्रविश्वव भारतीय काव्यशास्त्र भगीरथ डॉ. विद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. मिश्र परटना, अनुपम प्रकाशन भारतीय काव्य चिन्तन, शोभाकान्त
9. शर्मा, दिल्ली आर्य बुक डिपो काव्यलोचन ओम प्रकाश
10. गुलाबराय, दिल्ली, आत्माराम एंड सन्स, काव्य के रूपरेखा बाबु

XXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXXX

Bodoland University

CBCS Curriculum Structures for UG syllabus (BA Regular Course with Hindi),
No. of papers = 12+12-24, Total Credits 120, Total Marks = 2100

TABLE 1: FOR SEM-I						
Paper code	Course	Credit	Credit Distribution (L+T+P)	End Sem Mark	Int Marks	Total Marks
ENG-101R	ENG-1	6	5+1+0	80	20	100
Hin-102R	DSC-1A हिंदी साहित्य का इतिहास	6	5+1+0	80	20	100
PAPER-103R	DSC-2A	6	5+1+0	80	20	100
COMM-104HR	AEC AECC1: हिंदी भाषा और संप्रेषण English/Hindi/MIL(Communication)	2	2+0+0	50	-	50
Total-		20	17+3+0=20	290	60	350

SEM-II						
Paper code Corse	Course	Credit	Credit Distribution (L+T+P)	END SEM MARK	INT MARKS	TOTAL MARKS
Hin-202R	DSC-1B मध्य कालीन हिंदी कविता	6	5+1+0	80	20	100
Hin-203R	DSC-2B)	6	5+1+0	80	20	100
Hin-203HGE-2	पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य	6	5+1+0	80	20	100
ENV-204HR	AEC: AECC2Enviromental Science	2	2+0+0	50	-	50
Total-		20	17+3+0=20	290	60	350

TABLE 1: FOR SEM-III						
Paper code	Course	Credit	Credit Distribution (L+T+P)	End Sem Mark	Int Marks	Total Marks
ENG-301R	ENG-2	6	5+1+0	80	20	100
Hin-302R	DSC-1C आधुनिक हिंदी कविता	6	5+1+0	80	20	100
PAPER-303R	DSC-2C	6	5+1+0	80	20	100
Hin-304HR	AEC AECC1: हिंदी भाषा शिक्षण	2	2+0+0	50	-	50
Total-		20	17+3+0=20	290	60	350

SEM-IV						
Paper code Corse	Course	Credit	Credit Distribution (L+T+P)	END SEM MARK	INT MARKS	TOTAL MARKS
Hin-401R	MIL-2	6	5+1+0	80	20	100
Hin-203R	DSC-ID) हिंदी गद्य साहित्य	6	5+1+0	80	20	100
Paper-403R	DSC-2D)	6	5+1+0	80	20	100
Hin-404HR	AEC: SEC-2 साहित्य और हिंदी सिनेमा	2	2+0+0	50	-	50
Total-		20	17+3+0=20	290	60	350

TABLE 1: FOR SEM-V						
Paper code	Course	Credit	Credit Distribution (L+T+P)	End Sem Mark	Int Marks	Total Marks
ENG-301R	ENG-2	6	5+1+0	80	20	100
Hin-501R	DSC-1A 1.Kकबीर २. सूर्य कांत त्रिपाठी निराला	6	5+1+0	80	20	100
PAPER-502R	DSC-2A	6	5+1+0	80	20	100
Hin-503HR	GE-1 सर्जनात्मक "लेखन के विविध क्षेत्र	2	2+0+0	50	-	50
Total-		20	17+3+0=20	290	60	350

SEM-IV						
Paper code Corse	Course	Credit	Credit Distribution (L+T+P)	END SEM MARK	INT MARKS	TOTAL MARKS
Hin-401R	MIL-2	6	5+1+0	80	20	100
Hin-203R	DSC-ID) हिंदी गद्य साहित्य	6	5+1+0	80	20	100
Paper-403R	DSC-2D)	6	5+1+0	80	20	100
Hin-404HR	AEC: SEC-2 साहित्य और हिंदी सिनेमा	2	2+0+0	50	-	50
Total-		20	17+3+0=20	290	60	350

REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)
B.A REGULAR COURSE WITH HINDI
CORE COURSE (CC)

FIRST SEMESTER
PAPER: HIN- 102 R/DSC- 1A
हिन्दी साहित्य का इतिहास

UNIT-1 कालविभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्य धाराएँ- सिद्ध, नाथ, जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

UNIT-2 भक्ति आन्दोलन- सामाजिक-सास्कृतिक पष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, भक्तिकाल की समान्य विशेषताएँ।

UNIT-3 रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त कवि।

UNIT-4 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युगीन साहित्य की विशेषताएँ, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।

PAPER: COMM -104 HR (AEC: AECC 1)
ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)
हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

UNIT-1 भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रुप
हिन्दी भाषा की विशेषताएँ - क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण, एवं अव्यय सम्बन्धी।

UNIT-2 हिन्दी की वर्ण व्यवस्था स्वर एंव व्यंजन।
स्वर के प्रकार- ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।

UNIT-3 व्यंजन के प्रकार - - स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोस तथा अघोष।
वर्णों के उच्चारण स्थानः कण्ठ्य, तालव्य, मुर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य
बालाघात, संगम, अनुतान तथा संधि ।

UNIT-4 भाषा सम्प्रेषण के चरण- श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य, वाक्य के भेद, वाक्य का रुपान्तर।
भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।

SECOND SEMESTER
PAPER: HIN-202R/DSC-1B
मध्यकालीन हिन्दी कविता

UNIT-1 कबीरदास कबीर (पद- 1 से 10) हजारी प्रसाद द्विवेदी

सुरदास- भ्रमरगीतसार (सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) पद- गोकुल सबै गोपाल उपासी, आयोन घोष बड़ो व्योपारी, जोग ठगौरी ब्रज बिकैहैं, लरिकाई की प्रेम, हरि काहे के अन्तर्जामी ?, रहु रे मधुकर ! मतवारे।, प्रकृति जोई जोके अंग परी।

UNIT-2 विनय पत्रिका (पद, पद संख्या-, 160, 164, 165, 166, 167, 182, 201, 269, 272) गीता प्रेस, गोरखपुर मीरावाई- (पदावली) - पग धंघुरु बांध मीरा नाची रे, पतीया मैं कैशी लीख, लीखये न जायरे रे, पानी में मीन प्यासी, मोहे सुन सुन आवत हाँसी, पायो जी म्हें तो राम रतन धन पायो, अब तो मेरा राम नाम दूसरा न कोई। कान्हा बनसरी बजाय लगी गिरधारी।

UNIT-3 रसखान- (पद) -

आवत है वन ते मनमनोहन,
खेलत फाग सुहाग भरी,
मोरपखा, सिर ऊपर राखिहौ,
जा दिनते निरखौ नंद-नन्दन।

बिहारी- दोहा-

1. कोउ कोरिक संग्रही, कोउ लाख हजार,
2. खिन खन में खटकी सु हिय खरी भीर में जात
3. खौरि पनिच भृकुटी धनुष बधिक समर तजि कानि।
4. गहकि गाँस औरे गहे, रहे अधकहै बैन।
5. घग घर हिन्दुनि तरुकिनी देत असीस सराहि
6. चलत-चलत लौ लैं चले, सब सुख संग लगाय।
8. चिरजीवों जोरि जुरै, क्यों न हो सनेह गम्भीर
9. जिन दिन देखे वे कुसुम गई सु बीति बहार।

UNIT – 4 भूषण- पद-

1. साजि चतुरंग बीर अंग में उमंग भरी।
2. प्रेतनी पिसाचडरु निसाचर निसाचरिहा
३. कंदूमूल भोग कर कंदमूल भोग करै।
4. भज भुजगेस की हवै संगिनी भुजगिनी सी।
5. तेरे ही भुजन पर भूलत को भार।

घनानन्द- पद-

1. घनानन्द जीवनमूल सुजान
2. अति सुधो सनेह को मारग है जहँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
3. झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छवै।।
4. कारी कूर कोकिला कहाँ को बैर काढति री।
5. पूरन प्रेम को मंत्र पहापन जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ।

THIRD SEMESTER
PAPER: HIN- 302R/DSC-1C
आधुनिक हिन्दी कविता

UNIT-1 भारतेन्दु- कविता- बसंत होली, मातृभाषा प्रेम पर होते, गंगा-वर्णन।
अयोद्यासिंह उपाध्याय हरिऔध- कविता- प्रिय प्रवास (प्रथम सर्ग)

Unit-2 मैथिलीशरण गुप्त- कविता- यशोधरा, किसान जीवन का अस्तित्व
जयशंकर प्रसाद- (कविता) आँसू- 1 से 21 तक

UNIT-3 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- बादल राग, संध्या सुन्दरी, मै अकेला, जागो फिर एक बार-1।
अज्ञेय (कविता) - कितनी नावों में कितनी बार, मछली, कतनी पूनो,

UNIT-4 नागार्जून (कविता)- प्रेत का बयान, मनुष्य हूँ, लो यह उमड़ उमड़ आया।
नरेश मेहता (कविता) - कवेल हिम, यह जो न जुहीं सी चाँदनी, माँ।

PAPER: HIN- 304 HR/SEC- 1

Unit- 1 भाषा शिक्षण के सन्दर्भ - राष्ट्रीय, समाजिक, शैक्षिक और भाषिक।
भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ
-प्रथम भाषा/ मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना
-अन्य भाषा के अन्तर्गत द्वितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना
-मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के लिए भाषा-शिक्षण

Unit-2 भाषा शिक्षण की विधियाँ
-भाषा कौशल- श्रवण, भाषण वाचन, लेखन।
-भाषा का कौशव के रुप में शिक्षण, भाषा कौशलों के विकास की तकनीक और अभ्यास
-अन्य भाषा- शिक्षण की प्रमुख विधियाँ, संरचनात्मक विधि, द्विभाषिक शिक्षण विधि ।

Unit-3 हिन्दी शिक्षण

-हिन्दी की मातृभाषा के रुप में शिक्षणः स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन संदर्भित शिक्षा।

-द्वितीय भाषा के रुप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के सन्दर्भ में हिन्दी शिक्षण।

-विदेशी भाषा के रुप में विदेशों में हिन्दी शिक्षण

Unit-4 भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

-भाषा परीक्षण और मूल्यांकन की संकल्पना

-भाषा परीक्षण के प्रकार

-मूल्यांकन के प्रकार

FORTH SEMESTER
PAPER: HIN 402R/DSC-1D
हिन्दी गद्य साहित्य

UNIT-1 उपन्यास-	त्यागपत्र -	-जौनेन्द्र
UNIT-2 कहानी-	नमक का दरोगा	-प्रेमचन्द
	आकाशद्वीप-	-जयशंकर प्रसाद
	परदा-	-यशपाल
	वापसी -	-उषा प्रियंवदा
UNIT-3 निबन्ध-	लोभ और प्रीति -	रामचन्द्र शुक्ल
	कुटज-	हजारी प्रसाद द्विवेदी

UNIT-4 हिन्दी गद्य साहित्य का उद्भव और विकास- कहानी, उपन्यास, निबन्ध।

PAPER: HIN 404 HR/ SEC-2
सिनेमा और हिन्दी साहित्य

Unit- 1 सिनेमा और समाजः विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिकः कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।

Unit-2 सिनेमा का तकनीकी पक्षः फिल्म नर्माण की प्रक्रिया, सिनेमाः सृजन की सामुहिकता, सिनेमा का भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और सम्पादन, सेंसर बोर्ड का वितरण और व्यसाय, सिनेमाघर।

Unit-3 हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहासः प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्य वर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्मे, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा ।

Unit-4 साहित्य और सिनेमाः अंतस्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रुपान्तरण और तकनीक।

फिल्म समीक्षा-

आरम्भ से 1947-	राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास
1947 से 1970-	मदर इंडिया, दो आँखे बारह हाथ, तीसरी, कसम, नया दौर।
1970 से 1990-	गर्म हवा, बॉबी, शोले, आँधी।
1990 से अद्यतन-	-तारे ज़मी पर, थ्री इडियट्स, दिलवाले दुलहनिया ले जाएँगे, मुन्ना भाई एम. बी.बी. एस, पान सिंह तोमर, मैरी कॉम।

FIFTH SEMESTER
PAPER: HIN-501R/DSE- 1A
DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DES)
कबीरदास एवं सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

UNIT-1 पाठ्यपुस्तकबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी- पद संख्या 20 से 25 तक

UNIT-2 पाठ्यपुस्तकबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी- पद संख्या- 26 से 30 तक

UNIT-3 पाठ्य पुस्तक राग विराग सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला' (कविता) - सखि वसन्त आ गया, जुही की कली, जागो फिर एक बार-2, बादल राग-6, वर दे वीणावादिनी वर दे, भारति, जय विजय कर,

UNIT-4 पाठ्य पुस्तक राग विराग सूर्यकान्त त्रिपाठी निरला- (कविता) -तोड़ती पत्थर, बाहरमैं कर दिया गया हूँ, स्नेह निर्झर वह गया है, गहन है यह अन्धकारा।

PAPER: HIN-503 HR/ GE- 1

सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

Unit- 1 रिपोर्ताज- अर्थ, स्वरुप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रुप, रिपोर्ताज और फीचर लेखनप्रविधि।

Unit-2 फीचर लेखन- विषय - चयन, सामाग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।
साक्षात्कार (इण्टरव्य/भेटवार्ता)- उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार- प्रविधि, महत्व।

Unit-3 स्तंभ लेखन- समाचार पत्र के विविध स्तम्भ, स्तंभ लेखन विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामाग्री का लेखन। सप्ताहान्त अतिरिक्त सामाग्री और परिशिष्ट। दृश्य- सामाग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से सम्बन्धित लेखन।

Unit-4 बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक, और कली समीक्षा।
आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।

PAPER: HIN-504 / AEC: SEC-3
SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

कार्यालय हिन्दी

UNIT-1 हिन्दी भाषा के विभिन्न रुप- राष्यभाषा, राजभाषा, जनभाषा।
शिक्षण माध्यम-भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा।

UNIT-2 राजभाषा का स्वरुप, भारतीय संविधान में राजभाषा सम्बन्धी परिनियामावली का सामान्य परिचय, राजभाषा के रुप में हिन्दी के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं सम्भावित समाधान।
टिप्पण (नोटिंग), प्रारुपण/आलेखन (ड्राफ्टिंग), पल्लवन, संक्षेपण।

UNIT-3 विभिन्न प्रकार के पत्राचार, प्रशासनिक पत्रावली की निष्पादन प्रक्रिया।
पारिभाषिक शब्दावली।

UNIT-4 कार्यालयी प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक अपकरणों का अनुप्रयोग कम्प्यूटर, लैप्टॉप, टैबलेट, टेलीप्रिंटर, वीडियो कान्फ्रेंसिंग।

SIXTH SEMESTER
PAPER: HIN-601R/DSE-1B
DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DES)
हिन्दी निबन्ध एवं रेखाचित्र तथा संस्मरण

UNIT-1 पाठ्य पुस्तक- निबन्ध निकषः सम्पादक - डॉ. रामचन्द्र तिवारी -

बालकृष्ण भट्ट -	-साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है।
चन्द्रधर शर्मा गलेरी-	-कछुआ धर्म
रामचन्द्र शुक्ल-	-कविता किया है ?
महादेवी वर्मा-	-जीने की कला

UNIT-2 पाठ्य पुस्तक- निबन्ध निकषः सम्पादक - डॉ. रामचन्द्र तिवारी -

रामधारी सिंह दिनकर-	भारत की सांस्कृतिक एकता
हरिशंकर परसाई-	पगडण्डियों का जमाना
विद्यानिवास मिश्र-	अस्ति की पुकार हिमालय
कुबेरनाथ राय-	नीलकंठ उदास

UNIT-3 रेखाचित्र-

शिवपूजन सहाय-	महाकवि जयशंकर प्रसाद
सेठ गोविन्ददास -	मददूम बक्श
बनारसी दास चतुर्वेदी-	बाईस वर्ष बाद
हजारी प्रसाद द्विवेदी-	एक कुता और एक मैना
विष्णु शास्त्री-	ये है प्रोफेसर शशांक

UNIT- 4 सस्मरण-)

अज्ञेय-	स्मरण का स्मृतिकार (राय कृष्णदास
नगेन्द्र-	दादा स्व. पं. बालकृष्ण शर्मा नवीन
माखनलाल चतुर्वेदी-	तुम्हारी स्मृति
महादेवी वर्मा-	नीराला भाई

PAPER: 603 HR/GE-2

हिन्दी की सांस्कृतिक पत्रकारिता

Unit- 1 सास्कृतिक पत्रकारिता- अवधारणा, अर्थ और महत्व। परम्परागत, आधुनिक और उत्तर आधुनिक समाज, संस्कृति, लोकसंस्कृति, लोकप्रिय संस्कृति, अपसंस्कृति। बाजार संस्कृति और संचार माध्यम।

Unit-2 सांस्कृतिक सम्वाद- अर्थ, भेद और विशेषताएँ। सास्कृतिक सम्वाद के क्षेत्र का परिचय- मंचकला, पर्यटन, पुरातत्व संग्रहालय आदि। मंचकला और पत्रकारिता- रंगमंच, संगीत- गायन, वादन(ताल वाद्य,तंत्र वाद्य) और नृत्य के कार्यक्रम सम्वाद, लेखन और समीक्षा। चित्रकला (पेंटिंग, ग्राफिक, टेक्सटाल डिजाइन), शिल्पला, स्थापत्य कला के कार्यक्रम सम्वाद लेखन और समीक्षा।

Unit-3 पर्टयन पत्रकारिता- प्रमुख धार्मिक स्थलों, स्मारकीय और प्राकृतिक सम्पदाओं का छायाचित्र (फोटोग्राफी) और चित्र

परिचयः सम्वाद लेखन और समीक्षा।

पत्रकारिताः जनसंचार माध्यम के रुप में छायाचित्र, छायाचित्र लेने के तरीके, उपकरण और प्रयोग की विधि।

चित्र पत्रकारिता- सिद्धान्त और व्यवहार, चित्र सम्पादन, सचित्र रुपक (फीचर), प्रदर्शनी।

Unit-4 चलचित्र (छायाछवि/फिल्म) पत्रकारिता- संचार माध्यम के रुप में फिल्म और विडियो, लघुफिल्म, वृत्तचित्र, धारावाहिक- परिचय और विकास, फिल्म पृष्ठ का आकल्पन और अभिविन्यास।

PAPER: 604R/AEC: SEC-4

अनुवाद विज्ञान

UNIT-1 अनुवाद का तात्पर्य, अनुवाद के विभिन्न प्रकार भाषान्तरण, सारानुवाद, तथा रुपान्तरण में साम्य-वैषम्य |

अनुवाद के प्रमुख प्रकार कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान-विज्ञानपरक, विधिक वाणिज्यिका अनुवाद के शिल्पगत भेद अविकल अनुवाद (लिटरल), भावानुवाद, छायानुवाद, आशु अनुवाद, डबिंग, कम्प्यूटर अनुवाद ।

UNIT-2 साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रुप- काव्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद ।

अनुवाद में, पर्यवेषण (वेटिंग) की भूमिका

वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद, मुहावरो/लोकोक्तियों का अनुवाद, संक्षिप्ताक्षरों तथा कूटपदों का अ अनुवाद, आंचलिक शब्दावली का अनुवाद, व्यंजनापरक लाक्षनिक पद प्रयोगों का अनावाद।

UNIT-3 अनुवाद की सम्पादन प्रविधि।

अनुवादक की अर्हता और सफल अनुवाद के अभिलक्षण। विश्व भाषाओं की प्रमुख कृतियों के हिन्दी अनुवाद एवं हिन्दी की प्रमुख कृतियों के विश्वभाषाओं में किये गये अनुवाद।

UNIT-4 भारत में अनुवाद प्रशिक्षण के प्रमुख केन्द्र, अनुवाद के राष्ट्रीय प्राधिकरण के गठन की आवश्यकता। हिन्दी अनुवाद की भविष्य।

xxxxxxxxxxxxxxxxxxxx